पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

शिक्षा की गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता; पाठ्यक्रम पूरा करने के बजाय विद्यार्थियों की वास्तविक समझ और दक्षता पर दें ध्यान : अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा

बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर परिणाम के लिए नियमित मॉक टेस्ट व कमजोर छात्रों हेतु विशेष उपचारात्मक शिक्षण (रेमेडियल टीचिंग) के निर्देश

ज्ञान अकादमी व डिजिटल प्लेटफॉर्म को कक्षा शिक्षण से जोड़ने और शिक्षकों के लंबित देयकों के समयबद्ध निस्तारण पर जोर

महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने 'समग्र शिक्षा' एवं 'पीएम श्री योजना' की वित्तीय व भौतिक प्रगति की समीक्षा की

लखनऊ : 17 नवम्बर, 2026

माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने मंगलवार को प्रदेश के समस्त जिला विद्यालय निरीक्षकों (डीआईओएस) एवं मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशकों के साथ आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में विभागीय योजनाओं और शैक्षिक गतिविधियों की गहन समीक्षा की। बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा जाए तथा वास्तविक शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया (टीचिंग–लर्निंग प्रोसेस) को अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाया जाए। उन्होंने कहा कि राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त एवं वित्तविहीन (अशासकीय) सभी विद्यालयों में नियमित कक्षाओं का संचालन सुनिश्चित हो, शिक्षक निर्धारित समय–सारिणी के अनुसार अध्यापन करें और कक्षा में विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रहे। उन्होंने बल देते हुए कहा कि केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने के स्थान पर विद्यार्थियों की वास्तविक समझ, विषयगत दक्षता और सीखने के स्तर में गुणात्मक सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाए।

बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि कक्षा 9 से 12 तक विषयवार शिक्षण की गुणवत्ता और विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति का नियमित मूल्यांकन किया जाए। आगामी वार्षिक बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार कर नियमित रूप से यूनिट टेस्ट, मासिक परीक्षाएं, अभ्यास परीक्षाएं और मॉक टेस्ट आयोजित किए जाएं। उन्होंने कमजोर विद्यार्थियों की पहचान कर उनके लिए विशेष उपचारात्मक शिक्षण (रेमेडियल टीचिंग) की व्यवस्था करने तथा शिक्षकों द्वारा उत्तर लेखन अभ्यास एवं प्रश्नपत्र विश्लेषण पर विशेष ध्यान देने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने 'ज्ञान अकादमी' एवं अन्य डिजिटल शैक्षिक प्लेटफॉर्म के प्रभावी उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को डिजिटल अध्ययन सामग्री, वीडियो लेक्चर, ऑनलाइन अभ्यास प्रश्न व विषयवार मूल्यांकन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए और इसे नियमित कक्षा शिक्षण के साथ समन्वित करते हुए डिजिटल सहभागिता की निरंतर मॉनिटरिंग की जाए।

विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश देते हुए पार्थ सारथी सेन शर्मा ने कहा कि प्रत्येक विद्यालय में पेयजल एवं शौचालय की सुविधाएं पूरी तरह क्रियाशील रहें। प्रयोगशालाओं में सभी आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा पुस्तकालयों में पर्याप्त पुस्तकों की व्यवस्था के साथ विद्यार्थियों को उनका नियमित निर्गमन (इश्यू) किया जाए। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालयों में खेलकूद, शारीरिक शिक्षा, सांस्कृतिक एवं अन्य सह–पाठ्यचर्या गतिविधियों का नियमित आयोजन करने तथा उपलब्ध खेल सामग्री और सुविधाओं का समुचित उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। शिक्षकों के हितों को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने निर्देशित किया कि शिक्षकों के लंबित देयकों, वेतन एवं अन्य वित्तीय प्रकरणों की समीक्षा कर उनका समयबद्ध निस्तारण किया जाए तथा सेवा संबंधी समस्याओं का प्राथमिकता पर समाधान हो, ताकि शिक्षक पूर्ण मनोयोग से शिक्षण कार्य कर सकें।

बैठक के दौरान महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने 'समग्र शिक्षा' एवं 'पीएम श्री योजना' की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों व शैक्षिक गतिविधियों को निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण कराया जाए।

सम्पर्क सूत्र– धर्मवीर खरे

राम यतन/05:30 PM

फोन नम्बर Direct : 0522–2239023 ई0पी0बी0एक्स0: 0522–2239132,33,34,35 एक्सटेंशन : 223 224 225
फैक्स नं0 : 0522–2237230 0522–2239586 ई–मेल : upsoochna@gmail.com,
वेबसाइट :www.information.up.gov.in